

न्यायालय राजस्व अपील प्राधिकारी, हनुमानगढ़

पीठासीन अधिकारी अशोक कुमार मीणा, आर.ए.एस.

अपील संख्या 377/2022

दर्शन सिंह पुत्र श्री जगर सिंह जाति कुम्हार निवासी मक्कासर तहसील व जिला हनुमानगढ़।
—अपीलार्थी

बनाम

1. बलदेव सिंह पुत्र श्री हंसराज जाति बालमिकी निवासी वार्ड नं. 14 गली नं. 11 मक्कासर तहसील व जिला हनुमानगढ़।
2. महेन्द्र सिंह पुत्र प्रीतम सिंह जाति बाजीगर निवासी गली नं. 6 नजदीक पुराना पटवार घर, डबली राठान तहसील व जिला हनुमानगढ़।
3. सरजीत कौर पत्नी महेन्द्र सिंह जाति बाजीगर निवासी गली नं. 6 नजदीक पुराना पटवार घर, डबली राठान तहसील व जिला हनुमानगढ़।
4. कलावती पत्नी हंसराज जाति बालमिकी निवासी वार्ड नं. 14 गली नं. 11 मक्कासर तहसील व जिला हनुमानगढ़।
5. सुभाष पुत्र श्री हंसराज जाति बालमिकी निवासी वार्ड नं. 14 गली नं. 11 मक्कासर तहसील व जिला हनुमानगढ़।

— रेस्पोंडेंट

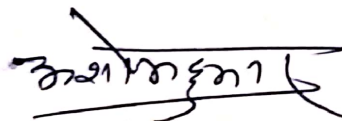
अपील अर्न्तगत 225 आरटीएक्ट विरुद्ध निर्णय दिनांक 21.10.2022 द्वारा सहायक कलक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी, हनुमानगढ़। प्रकरण सं० 23/2021 अनवान बलदेव सिंह बनाम महेन्द्र सिंह आदि

उपस्थिति:—

श्री इन्द्राज गोदारा अधिवक्ता अपीलाण्ट

श्री खुशप्रीत सिंह संघू अधिवक्ता रेस्पोंडेण्ट सं० 1

श्री वतनदीप सिंह मान अधिवक्ता रेस्पोंडेंट सं० 2, 3



27/10/23

राजस्व अपील प्राधिकारी
हनुमानगढ़

निर्णय

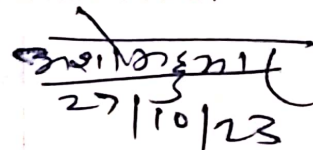
दिनांक 27/10/23

1. प्रकरण के तथ्य संक्षेप में इस प्रकार है कि रेस्पोजेण्ट सं० 1 ने अधीनस्थ न्यायालय के समक्ष राजस्थान काश्तकारी अधिनियम की धारा 251 आरटीए का एक प्रार्थना-पत्र पेश किया प्रार्थना-पत्र में कथन किया कि प्रार्थी व अप्रार्थी संख्या 3 व 4 के नाम से चक 6 एसटीजी तहसील हनुमानगढ़ के खाता सं० 24/22 खाता कलावती आदि जमाबंदी संवत् 2077-80 के प. नं. 92/270 मुरबा नं. 66 के किला नं. 21 ता 23, प. नं. 91/270 मुरबा नं. 67 किला नं. 24, 25 प. नं. 91/271 मुरबा नं. 73 किला नं. 4 ता 7, 14 ता 17 प. नं. 92/271 मुरबा नं. 74 किला नं. 1 ता 3, 8 ता 13, 18 ता 20 कुल 6.325 है० आराजी राजस्व रिकार्ड में दर्ज है। उक्त आराजी में प्रार्थी व अप्रार्थी संख्या 3 व 4 के नाम 3.795 है० आराजी राजस्व रिकार्ड में दर्ज है और हंसराज वल्द जगराम के नाम 2.530 है० भूमि राजस्व रिकार्ड में दर्ज है जो फौत हो चुके हैं। जिनके जायज व कानूनी वारिसान प्रार्थी व अप्रार्थी सं० 3, 4 हैं तथा हंसराज वल्द जगराम के नाम दर्ज 2.530 है० आराजी का किसी अन्य के साथ विवाद चल रहा है जो माननीय उच्च न्यायालय में लम्बित है। प्रार्थी की भूमि प्रार्थी के नाम प्रार्थना पत्र की दफा दो में वर्णित भूमि है जिसमें आने जाने के लए प्रार्थी के पास कोई मन्जूरशुदा रास्ता नहीं है तथा मन्जूरशुदा रास्ता के अभाव में प्रार्थी को अपनी कृषि भूमि में काश्त करने में भारी असुविधा हो रही है। प्रार्थी ने प. नं. 91/271 मुरबा नं. 73 किला नं. 1 ता 3 में डेढ, डेढ बिस्वा यानि 12 फुट अर्थात् 0.019 है० प्रत्येक बीघा में रास्ता स्वीकृत करने का निवेदन किया। अधीनस्थ न्यायालय ने अपीलाधीन आदेश के द्वारा प. नं. 91/271 मुरबा नं. 73 किला नं. 18 ता 20 में रास्ता स्वीकृत किया, जिससे व्यथित होकर अपीलाण्ट ने यह अपील पेश की है।
2. उभयपक्ष की बहस सुनी गई।
3. विद्वान अधिवक्ता ने अपनी बहस में कथन किया कि अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित निर्णय में मुझ अपीलांट की भूमि में रास्ता बाबत तहसीलदार से कोई मौका रिपोर्ट नहीं मंगवाई गई थी जो कि मंगवानी अति आवश्यक थी परन्तु मातहत अदालत ने

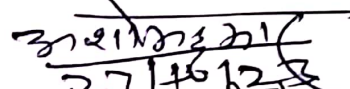
अधीनस्थ न्यायालय
27/10/23
राजस्व अपील प्राधिकारी
हनुमानगढ़

उक्त तथ्य की अनदेखी करते हुए अपीलाधीन निर्णय पारित किया है। रेस्पोडेण्ट सं० 1 बलदेव सिंह की भूमि में मुरबा लाईन 92 पर स्थित रास्ता से पत्थर नं. 92/271 के किला नंबर 4 ता 7, 14 ता 17 में से मुख्य रास्ता मात्र दो बीघा दूरी पर ही है परन्तु अदालत मातहत ने बिना कोई मौका रिपोर्ट मंगवाये मुझ अपीलांट के खेत की तरफ 3 बीघा दूरी का रास्ता मन्जूर किया है जबकि कानूनन कम दूरी का रास्ता ही मन्जूर किया जा सकता है, परन्तु अदालत ने उक्त तथ्य की अनदेखी करते हुए अपीलाधीन निर्णय पारित किया है जो काबिल खारिजी के है। अपीलाण्ट एक छोटा काश्तकार है जिसके पास मात्र लगभग अढाई बीघा जमीन है जिसमे से रास्ता मन्जूर किया जाता है तो अपीलाण्ट का खेत काश्त योग्य नहीं रहेगा तथा अपीलाण्ट को आर्थिक हानि होगी परन्तु मातहत आलत ने इस तथ्य की अनदेखी करते हुए निर्णय पारित किया है जो काबिल खारिजी के है।

4. विद्वान अधिवक्ता रेस्पोडेण्ट सं० 1 ने अपनी बहस में कथन किया कि रेस्पोडेण्ट सं० 1 की भूमि में आवागमन हेतु कोई रास्ता उपलब्ध नहीं है। रेस्पोडेण्ट सं० 1 के पास अपनी भूमि में आवागमन हेतु अन्य कोई वैकल्पिक रास्ता नहीं है। अपीलाण्ट ने अधीनस्थ न्यायालय में जवाब पेश किया है। अपीलाधीन आदेश उभयपक्षों को सुनकर पारित किया गया है। रास्ता स्वीकृत करने के लिए राजस्थान काश्तकारी अधिनियम की धारा 251-क में केवल दो बिन्दुओं पर ही निर्णय किया जाता है। प्रथम रास्ते की आत्यंतिक आवश्यकता और दूसरा वैकल्पिक रास्ते साधन का अभाव। रेस्पोडेण्ट सं० 1 को रास्ते की आत्यंतिक आवश्यकता एवं रेस्पोडेण्ट के पास अन्य कोई वैकल्पिक रास्ता है भी नहीं है। अधीनस्थ न्यायालय ने तहसीलदार से रिपोर्ट आने के बाद ही प्रश्नगत रास्ता स्वीकृत किया है। विचारण न्यायालय का आदेश विधि सम्मत है। अतः अपील अपीलाण्ट खारिज की जावे।
5. रेस्पोडेण्ट सं० 2 व 3 ने रेस्पोडेण्ट सं० 1 की बहस का समर्थन करते हुए अपील अपीलाण्ट खारिज करने का कथन किया।
6. उभयपक्ष की बहस पर मनन किया एवं पत्रावली का अवलोकन किया।


27/10/23
राजस्व अपील प्राधिकारी
हनुमानगढ़

7. अधीनस्थ न्यायालय में रेस्पोंडेण्ट सं० 1 ने अपनी भूमि में आवागमन हेतु कोई रास्ता उपलब्ध नहीं होने के कारण रास्ता स्वीकृत करने हेतु चक 5 एसटीजी के प. नं. 91/271 मुरबा नम्बर 73 के किला नं. 1 से 3 में रास्ता स्वीकृत करने का अनुतोष मांगा था। विचारण न्यायालय ने अपीलाधीन आदेश के द्वारा 6 एसटीजी के प. नं. 91/271 (73) किला नं. 18 से 20 में प्रश्नगत रास्ता स्वीकृत किया है। रास्ता स्वीकृत करने से पूर्व अपीलाण्ट की भूमि के संबंध में तहसीलदार से कोई मौका रिपोर्ट नहीं मंगवाई गई, जो कि कानूनन मंगवाई जानी आवश्यक थी। रेस्पोंडेण्ट सं० 1 बलदेव सिंह की भूमि में मुरबा नं. 92 पर स्थित रास्ता से पत्थर नंबर 92/271 के किला नं. 4 ता 7, 14 ता 17 में से मुख्य रास्ता मात्र दो बीघा दूरी पर ही है परन्तु मातहत अदालत ने अपीलाण्ट के खेत की तरफ 3 बीघा दूरी का रास्ता मन्जूर किया है जबकि कानूनन कम दूरी का मन्जूर किया जाना चाहिए था। इस बिन्दू पर पर विवेचन किया जाना उचित है। अतः अपील अपीलाण्ट स्वीकार कर प्रकरण अधीनस्थ न्यायालय को प्रतिप्रषित किये जाने योग्य है।
8. उपरोक्त विवेचन एवं विश्लेषण के आधार पर अपील अपीलाण्ट स्वीकार की जाती है एवं सहायक कलक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी हनुमानगढ का अपीलाधीन निर्णय दिनांक 21.10.2022 निरस्त किया जाता है एवं प्रकरण विचारण न्यायालय को इस निर्देश के साथ प्रतिप्रेषित किया जाता है कि सम्बन्धित तहसीलदार से प्रश्नगत रास्ता की मौका रिपोर्ट प्राप्त कर उभयपक्ष को सुनकर पुनः विधि सम्मत निर्णय पारित करे। अधीनस्थ न्यायालय का अभिलेख निर्णय की प्रमाणित प्रति सहित भिजवाया जावे। पत्रावली निर्णित शुमार व नम्बर से कम की जाकर दाखिल दफ्तर हो। निर्णय आज दिनांक 27/10/23 को मेरे द्वारा खुले न्यायालय में सुनाया गया।


 (अशोक कुमार मीणा)
 राजस्व अपील प्राधिकारी
 हनुमानगढ